डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/4-357/2024-26

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

किसान कल्याण वर्ष-2026
समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक
प्रकाशन दिनांक 16 जून, 2026, डिस्पेच दिनांक 16 जून, 2026

| वर्ष 70 | अंक 02 | भोपाल | 16 जून, 2026 | पृष्ठ 12 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

प्रकृति मित्र बनकर धरती माता का आंगन हरा-भरा रखने के लिए लगायें पेड़ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पेक्स में गड़बड़ी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, समिति पूर्ववत् रहेगी संचालित

किसान हित में वर्ष का अंत 31 मार्च के बजाय 31 मई तक, ताकि किसान न हो पायें लोन डिफॉल्टर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत अपेक्स बैंक परिसर में लगाया आम का पौधा

अपेक्स बैंक द्वारा प्रदेश के सभी जिला सहकारी बैंकों एवं पेक्स में चलाया जा रहा पौधरोपण महा अभियान

विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाये एक लाख पौधे

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें भविष्य के लिए सचेत हो जाने का संकेत देता है। यह दिवस याद दिलाता है कि हमें अपना और अपनी पीढ़ियों के भविष्य को बचाये रखने के लिये पेड़ लगाने होंगे, पानी बचाना होगा, प्रदूषण कम करना होगा, तभी हमारी यह धरती बची रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति का मित्र बनना होगा। हम यदि आज नहीं संभले तो जलवायु परिवर्तन से हमारे अस्तित्व पर संकट का खतरा मंडराने लगेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से कहा कि अपनी धरती माता का आंगन स्वच्छ एवं हरा-भरा रखने के लिए हम सब कम से कम एक-एक पेड़ अवश्य लगायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपेक्स बैंक परिसर में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान अंतर्गत आम का पौधा भी रोपा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'बिना सहकार, नहीं उद्धार' का नारा उदघोष करते हुए कहा कि हम प्रदेश में सहकारिता से समृद्धि लाने के लिए प्रयासरत है। दूध का उत्पादन बढ़ाकर हम किसानों, पशुपालकों का जीवन सँवारेंगे और मध्यप्रदेश को देश की "मिल्क कैपिटल" बनायेंगे। अपेक्स बैंक द्वारा प्रदेशव्यापी हरित सहकार अभियान चलाया जा रहा है। इसमें 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत अपेक्स बैंक मुख्यालय सहित प्रदेश के सभी जिला सहकारी बैंक एवं प्रत्येक प्राथमिक साख सहकारी समिति (पेक्स) में सघन पौधरोपण महाभियान चलाया जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शुक्रवार को अपेक्स बैंक के नेतृत्व में प्रदेश भर में एक साथ 1 लाख पौधे लगाये गये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सरकार के एक विशेष प्रावधान के बारे में कहा कि अगर प्राथमिक सहकारी समिति (पेक्स) में कोई अधिकारी-कर्मचारी गड़बड़ी करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समिति के सदस्य किसानों पर इसका कोई असर नहीं पड़ने दिया जाएगा। सोसाइटी पर नहीं दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई होगी। वह सोसायटी पहले की तरह संचालित रहे, इसके लिए सभी तरह के प्रबंध किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के हित में हमारा प्रयास है कि वर्ष का अंत (फसल ऋण आदि लेने की अवधि) 31 मार्च से बढ़ाकर 31 मई तक कर दी जायेगी, ताकि किसान लोन डिफाल्टर न हो पायें और अपना सालाना टर्न ओवर पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार हर स्तर पर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 12 साल पूरे कर लिए हैं। उनके नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 'सुशासन से लोक कल्याण' का 13वां साल शुरू हो चुका है। इसी उपलक्ष्य में हमने 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान' शुरू किया है। उन्होंने कहा कि 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से 21 जून (विश्व योग दिवस) तक पूरे एक पखवाड़े के दौरान प्रदेश की सभी सहकारी समितियों के माध्यम से एक लाख पौधे रोपित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश "मिल्क कैपिटल" बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है।

प्रदेश के किसान दूध उत्पादन में अपनी समृद्धि का मार्ग खोज रहे हैं। दूध उत्पादन से किसानों का आय में वृद्धि हुई है। राज्य सरकार ने प्रदेश में दूध का उत्पादन 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि सरकार के प्रयासों का प्रतिफल सामने आने लगा है। मध्यप्रदेश में इन दिनों दूध का प्रतिदिन संकलन 13 लाख लीटर बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि गुजरात के आणंद मिल्क यूनियन लिमिटेड (अमूल) ने सहकारिता के मंत्र से किसानों को समृद्ध किया। अमूल ने पारम्परिक दुग्ध उत्पादन से इतर समृद्धि का एक नया मॉडल दुनिया को दिया। हमारी सरकार भी सांची दुग्ध उपक्रम से दूध उत्पादन को प्रोत्साहित कर रही है। प्रदेश में कभी दूध-दही की नदियाँ बहती थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक खेती में गौमाता का विशेष महत्व है। हम गौ संरक्षण और उन्नत गौवंश के पालन को प्रोत्साहित कर रहे है। हमारी सरकार उद्यानिकी फसलों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए भी सभी जरूरी सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि गन्ना उत्पादक किसानों को लाभ देने के लिए शिवपुरी जिले के कोलारस कस्बे में जल्द ही शुगर फैक्ट्री स्थापित की जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार पार्वती-कालीसिंध-चंबल राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना से प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने की ओर आगे बढ़ रही है। प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए अब दिन में बिजली प्रदाय की जा रही है। इस वर्ष गेहूं उत्पादन और उपार्जन में मध्यप्रदेश ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रदेश सरकार ने पिछली बार के 78 लाख मीट्रिक टन के मुकाबले वर्ष 2026 में 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं किसानों से खरीदा है। किसानों को एमएसपी पर प्रति क्विंटल 40 रुपए बोनस देकर 2625 रुपए भुगतान किया है। किसानों को सोयाबीन फसल पर भावांतर भुगतान का भी लाभ दिया गया है। हमारी सरकार का प्रयास है कि हम किसानों को उनकी उपज पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर भी उचित दाम दिलवायेंगे।

खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि हमें हर संभव प्रयास करके अपने पर्यावरण को संरक्षित करना ही होगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस साल हम एक लाख पौधे लगाने जा रहे है। पिछले साल भी 5 जून को एक साथ एक लाख पौधे लगाये गये थे। पिछले साल लगाये गये सभी पौधे जीवित हैं।

(शेष पृष्ठ 4 पर)

कृषि, उद्यानिकी और सहकारिता के संयुक्त प्रयासों से किसानों को दें बेहतर सुविधाएं

जिलों मे खाद्य प्रसंस्करण और कोल्ड स्टोरेज की क्षमता बढ़ाएं

जिलों में फलों को पकाने वाली आधुनिक यूनिट स्थापित करें

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल ने उज्जैन में संभागीय समीक्षा में दिए निर्देश

सभी जिलों में यूरिया और एनपीके की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध : कृषि सचिव श्री बरबडे

भोपाल : कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल ने खरीफ की आगामी फसलों के संबंध में किसानों की आय बढ़ाने के लिए बाजार की मांग आधारित फसलों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कृषि, सहकारिता और उद्यानिकी विभाग की योजनाओं को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। इन सामूहिक प्रयासों से किसानों को बेहतर गुणवत्ता के साथ अच्छी फसल मार्केट में उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और किसानों की आय भी बढ़गी। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए भी सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए।

श्री बर्णवाल सिंहस्थ मेला कार्यालय उज्जैन के सभागार में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव सहकारिता श्री डी पी आहूजा, सचिव किसान कल्याण श्री निशांत बरबडे, आयुक्त उज्जैन श्री आशीष सिंह, सचिव उद्यानिकी श्री जान किन्सली ए आर, आयुक्त सह संचालक उद्यानिकी श्री अरविंद कुमार दुबे, संचालक कृषि श्री उमाशंकर भार्गव, प्रबंध संचालक सहकारिता श्री अभिजित अग्रवाल, पंजीयक सहकारिता श्री मनोज पुष्प, प्रबन्ध संचालक मंडी बोर्ड श्री कुमार पुरुषोत्तम और संभाग के जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के सीईओ के साथ ही सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों के कारोबार को दोगुना करने के लक्ष्य पर लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि की उन्नत तकनीक, खेती के साथ नवाचार, उद्यम के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही बीज की उन्नत खेती के लिए भी प्रेरित करें। पूसा अरहर फसल की जानकारी देकर किसानों को बताएं कि पूसा अरहर का उत्पादन भी बहुत अधिक है। उन्हें उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करें।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि उद्यानकी विभाग और खाद्य प्रसंस्करण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुँचाएं। उद्यानिकी फसलों से किसानों को नगद राशि प्राप्त होती है और उनकी आय भी बेहतर हो जाती है। सभी कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि उद्यानिकी की एक दो फसलों को फोकस कर जिले में बेहतर तरीके से उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करे। साथ ही उन्हीं फसलों से संबंधित खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और उनकी मार्केटिंग की व्यवस्था भी की जाए।

उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान उज्जैन कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने आगामी सिंहस्थ महापर्व को दृष्टिगत रखते हुए फूलों की खेती के लिए रकबा बढ़ाने और करीब 250 हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों की खेती कराने के लक्ष्य से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ के पहले फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए रकबा बढ़ाने के साथ ही किसानों को प्रोत्साहित कर लाभ दिलाया जाएगा। संभाग के अन्य जिलों के अंतर्गत उद्यानिकी फसलों के नवाचार को लेकर जानकारी ली गई। जिलों के कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ ने उद्यानिकी फसलों को लेकर किए जा रहे नवाचार के साथ ही आलू, सतंरा, अश्वगंधा, शतावरी, धनिया, प्याज, ड्रेगन फ्रूट, खीरा, तरबूज, चिया सीड्स जैसे खाद्य फसलों रकबा बढ़ाने के साथ विक्रय के लिए मार्केट उपलब्ध कराने की योजना की जानकारी दी।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्री बर्णवाल ने निर्देश दिए कि कोल्ड स्टोरेज, राइजनिंग चैंबर की क्षमताओं को बढ़ाएं। सभी जिलों में कम से कम एक राइजनिंग चैंबर आवश्यक रूप से हो जिससे फसलों को पकाने के लिए सही तरीके का उपयोग हो सके। फूड प्रोसेसिंग यूनिट को भी बढ़ाने के प्रयास करें। साथ ही किसानों को उद्यानकी योजनाओं की जानकारी देने के लिए जिलों मे शिविर भी लगाएं।

सहकारिता की समीक्षा के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि सहकारिता से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें। उन्होंने पर्याप्त मात्रा में ऋण उपलब्ध कराने और समय पर खाद-बीज देने से उनकी आय बेहतर होगी। किसानो को खेती, उपकरण, के लिए पूंजी उपलब्ध कराना सहकारिता का प्रमुख काम है। प्रमुख सचिव श्री डी पी आहूजा ने सहकारिता से सम्बन्धित गतिविधियों के बारे में बताते हुए कहा कि जिलों में सहकारी समितियों से अधिक से अधिक किसानों को जोड़ा जा रहा है। पैक्स के माध्यम से किसानों को जोड़कर उनको बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा जा रही है।

प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध

समीक्षा बैठक मे कृषि कल्याण विभाग के सचिव श्री निशांत बरबडे ने बताया कि प्रदेश में यूरिया और एनपीके का पर्याप्त मात्रा में भंडारण है। किसी भी जिले में कोई कमी नही है। किसानों की मांग के अनुसार उन्हे खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किसानों के पंजीयन के साथ ही किसानों को खाद उपलब्ध होगी और लगातार किसान इससे खाद ले सकेंगे।

श्री बर्णवाल ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि खाद्य वितरण केंद्रो पर व्यापक इंतजाम हो। किसानों के बैठने की व्यवस्था, पीने का पानी, छांव की व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। इसके लिए कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए है कि व्हाट्सएप के माध्यम से किसानों को फसल अनुसार खाद की उपयोगिता की सूचना दें और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग कर किसानों को खाद उपलब्धता की सभी जरूरी जानकारी उपलब्ध कराए। साथ ही सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए है कि खाद भंडारण में किसी प्रकार की समस्या नहीं हो। इसके लिए अभी से व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता रखने के निर्देश दिए। सहकारिता के माध्यम से ऋणी और अऋणी किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने के लिए शिविर लगाने के निर्देश दिए। श्री बर्णवाल ने कहा कि फसल बीमा से संबंधित किसानों की शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए। कोई भी जिले में शिकायतें पैंडिग नही रहे। साथ ही अवैधानिक रूप से खाद्य विक्रय कर रहे पेस्टिसाइड्स का निर्माण और बिक्री और गलत बीजों के विक्रय पर रोक लगाने के लिए सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी बैठक में दिए गए हैं। श्री बरबड़े ने भी किसानों से संबंधित चल रही योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार से खाद-बीज की कमी नही होने दी जाएगी। खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

उद्यानिकी विभाग के आयुक्त सह संचालक श्री अरविंद कुमार दुबे ने बताया कि उद्यानिकी फसलों का अलग से पंजीयन किया जाए और गिरदावरी के समय भी इन फसलों का अलग से उल्लेख हो जिससे की वास्तविक आंकड़े उपलब्ध रहे। साथ ही किसानों को उद्यानिकी फसलों से जोडने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार करने के संबंध में भी कलेक्टर को निर्देशित किया गया।

फसलों को पकाने के लिए राइजिंग चैंबर हर जिले मे बनाया जाये जिससे जनता को केमिकल रहित फल उपलब्ध हो। जिले मे कोल्ड स्टोरेज और अन्य योजनाओं के लाभ दिलाने के लिए भी व्यापक दिशा निर्देश बैठक में दिए गए। इसके साथ ही उद्यानिकी फसलों को राजस्व रिकॉर्ड में जोडने के लिए भी कलेक्टरों को निर्देश देते हुए कहा कि गिरदावरी करते समय उद्यान की फसलों का रकबा अलग से जोड़ा जाए।

"उन्नत कृषि महोत्सव" की घोषणा अब बनेगी खेतों में बदलाव की ठोस कहानी

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के कृषि रोडमैप के लिए दिल्ली में ली उच्चस्तरीय बैठक

प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में कृषि परिवर्तन का नया अभियान

किसान भाई-बहनों की आय बढ़ाने के साथ कृषि के समग्र विकास का रोड मैप- श्री शिवराज सिंह

PMKSY, NFSM, MIDH समेत विभिन्न योजनाएं किसान के खेत पर मिलकर असर दिखाएंगी- श्री शिवराज सिंह चौहान

हर जिले में जवाबदेही तय, "वन टीम वन टॉस्क" पर होगा काम- श्री चौहान

नई दिल्ली, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर मध्य प्रदेश के रायसेन, विदिशा, सीहोर और देवास जिलों के लिए तैयार विशेष कृषि रोडमैप अब देश में कृषि परिवर्तन के एक मॉडल के रूप में उभरने जा रहा है। रायसेन में आयोजित "उन्नत कृषि महोत्सव" के दौरान की गई घोषणा को आगे बढ़ाते हुए श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट किया है कि यह केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसान की आय, जल संरक्षण, मिट्टी की सेहत, वैज्ञानिक खेती और योजनाओं के प्रभावी अभिसरण पर आधारित एक जवाबदेह मिशन है। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने मध्य प्रदेश के कृषि रोडमैप के लिए आज दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक ली जिसमें मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री श्री एंदल सिंह कंसाना सहित केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की।

रायसेन, विदिशा, सीहोर और देवास जिलों को कृषि विकास का आदर्श मॉडल बनाने की दिशा में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़ा विजन सामने रखा है। उन्होंने आज की महत्वपूर्ण बैठक में कहा कि इन चार जिलों में जो कृषि रोडमैप लागू किया जा रहा है, वह केवल समीक्षा का दस्तावेज नहीं, बल्कि खेत, किसान और भविष्य की खेती को केंद्र में रखकर बनाया गया परिवर्तन का ठोस खाकाहै।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उन्होंने स्वयं इन क्षेत्रों के खेतों की स्थिति देखी है। भूजल स्तर में गिरावट, मिट्टी की कमज़ोर होती सेहत और किसान की मेहनत के अनुरूप आय न मिलना चिंता का विषय है। इसी कारण उनकी दिली इच्छा है कि देवास, सीहोर, रायसेन और विदिशा कृषि सुधार के ऐसे सफल मॉडल बनें, जिन्हें आगे चलकर देश के अन्य जिलों में भी लागू किया जा सके।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस रोडमैप की सफलता का सबसे बड़ा पैमाना किसान की शुद्ध आय होगी। प्रत्येक जिले में वर्तमान आय क्या है और रोडमैप लागू होने के बाद उसमें कितना सुधार होता है, यही आने वाली हर समीक्षा का मुख्य आधार रहेगा। उनके मुताबिक, यह बैठक केवल प्रगति देखने की औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि परिणाम सुनिश्चित करने वाली जवाबदेही की बैठक है।

केंद्रीय मंत्री ने श्री चौहान ने अल नीनो और जल संकट के संदर्भ में भी स्पष्ट रणनीतिक सोच रखी। उन्होंने कहा कि तात्कालिक हालात से आगे देखते हुए अभी से ऐसे कदम तय करने होंगे, जिनसे रबी फसल सुरक्षित रह सके। उन्होंने अल नीनो को चुनौती के साथ-साथ अवसर भी बताया और कहा कि यदि कठिन परिस्थिति में भी इस रोडमैप के माध्यम से किसान की फसल और आय सुरक्षित रहती है तो वैज्ञानिक खेती और एकीकृत कृषि मॉडल पर किसानों का भरोसा और मजबूत होगा। श्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर गठित समितियों को स्पष्ट संदेश दिया कि केवल समितियों का गठन पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि जमीन पर परिणाम दिखने चाहिए। उन्होंने "वन टीम वन टॉस्क" के मंत्र के साथ हर स्तर पर "कौन, क्या, कब तक" तय करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय समिति के लिए तीन प्रमुख जिम्मेदारियाँ भी स्पष्ट कीं- नीतिगत बाधाओं की पहचान और उनका निराकरण, केंद्र और राज्य की योजनाओं का प्रभावी अभिसरण तथा जिला स्तर तक जवाबदेही सुनिश्चित करना।

उन्होंने कहा कि PMKSY, NFSM, NMEO, MIDH और SMAM जैसी योजनाएँ अलग-अलग दिशा में नहीं चलेंगी, बल्कि किसान के खेत पर इनका एकीकृत और प्रत्यक्ष प्रभाव दिखाई देना चाहिए। ICAR से उन्नत बीज आपूर्ति, KVK के माध्यम से प्रदर्शन खेत, और ATMA के जरिए विस्तार गतिविधियों को समयबद्ध रूप से जोड़ने की जिम्मेदारी राज्य स्तरीय समिति की होगी।

चारों जिलों में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला समितियों के गठन, KVK, DAO और जिला प्रशासन के संयुक्त कामकाज, तथा जमीनी समन्वय की स्थिति पर भी श्री शिवराज सिंह चौहान ने विशेष रूप से जानकारी मांगी। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य कार्ड के वितरण, सूक्ष्म सिंचाई के लक्ष्य और प्रगति, कृषि यंत्रीकरण उपकरणों की उपलब्धता तथा प्रत्येक ब्लॉक में कस्टम हायरिंग सेंटर की कार्यशील स्थिति की समीक्षा को जरूरी बताया।

फसल विविधीकरण को इस रोडमैप का केंद्रीय तत्व बताते हुए उन्होंने जिलेवार कृषि प्रणालियों को आगे बढ़ाने पर बल दिया। विदिशा में सोयाबीन-मक्का अंतरफसल, सीहोर में उच्च मूल्य फसलें, रायसेन में धान-लहसुन प्रणाली और देवास में मक्का-लहसुन-प्याज आधारित प्रणाली को किसानों तक पहुंचाने के प्रयासों की प्रगति पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

समेकित कृषि प्रणाली को लेकर भी केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने खरीफ 2026 से प्रत्येक जिले में कम से कम एक ब्लॉक में पायलट शुरू करने का लक्ष्य रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि डेयरी, मत्स्य पालन और बागवानी को कृषि के साथ जोड़कर आय के बहु-स्रोत विकसित करना समय की आवश्यकता है। इसके लिए पशुपालन, उद्यानिकी और कृषि विभागों के बीच ठोस समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा।

किसान उत्पादक संगठनों और बागवानी क्षेत्र को मजबूत बनाने पर भी उन्होंने फोकस किया। चारों जिलों के FPO को बाजार से जोड़ने, MIDH के अंतर्गत नर्सरी और कोल्ड चेन के लिए धनराशि जारी करने तथा जल संकट और शीत श्रृंखला जैसी बाधाओं के समाधान को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। इससे उत्पादन से विपणन तक किसानों को बेहतर अवसर मिलने की उम्मीद है।

किसान प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को रोडमैप की सफलता का आधार बताते हुए श्री शिवराज सिंह चौहान ने KVK नेटवर्क की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया। भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल और केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान, भोपाल जैसे संस्थानों की भागीदारी बढ़ाने के साथ हर ब्लॉक में कम से कम एक अग्रणी किसान तैयार करने की दिशा में काम करने को कहा गया, ताकि वह स्थानीय स्तर पर प्रेरक और मार्गदर्शक की भूमिका निभा सके।

रायसेन के उन्नत कृषि महोत्सव में की गई घोषणा अब एक ठोस क्रियान्वयन ढांचे में बदलती दिखाई दे रही है। श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर तैयार यह कृषि रोडमैप केवल चार जिलों तक सीमित पहल नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे मध्यप्रदेश से देशव्यापी कृषि नवाचार, जल प्रबंधन, वैज्ञानिक खेती, फसल विविधीकरण और किसान आय वृद्धि के एक व्यवहारिक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है।

किसानों से अब तक 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया

भोपाल :मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने इस वर्ष गेहूं उपार्जन में अपने सभी लक्ष्य हासिल करते हुए नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। प्रदेश में किसानों से अब तक रिकॉर्ड 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। राज्य सरकार ने गेहूं उत्पादक किसानों को 2585 रुपये न्यूनतम समर्थन मूल्य और प्रति क्विंटल 40 रुपए बोनस का लाभ दिया है। किसानों को 2625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं का भुगतान किया। अब तक किसानों को गेहूं उपार्जन की 24 हजार करोड़ राशि दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में आज वीडियो संदेश के माध्यम से ये जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं खरीदने के लिए किसानों की संख्या के मामले में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। प्रदेश में इस वर्ष गेहूं की पैदावार बढ़ी है। देश में सर्वाधिक गेहूं उत्पादन वाले राज्यों में पंजाब के बाद मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है। मध्यप्रदेश सर्वाधिक लंबे समय तक गेहूं खरीद की व्यवस्था लागू करने वाला एकमात्र राज्य है।

रायसेन से श्री शिवराज सिंह चौहान का देशभर को संदेश : स्वस्थ मिट्टी, सशक्त किसान, समृद्ध भारत

नई दिल्ली, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के ग्राम रमासिया से राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ करते हुए किसानों को साफ संदेश दिया कि मिट्टी बचेगी तो खेती बचेगी, किसान मजबूत होगा और देश समृद्ध बनेगा। उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी परीक्षण, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

1 से 30 जून तक देशभर में चलने वाले इस अभियान के शुभारंभ अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि धरती हमारी माता है और इसकी सेहत बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अंधाधुंध रासायनिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग न करें, बल्कि मिट्टी की जांच के आधार पर जरूरत के अनुसार ही उर्वरकों का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि ज्यादा रासायनिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता घटती है और उसमें मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं, जिसका सीधा असर उत्पादन और खेती की लागत पर पड़ता है।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि 'खेत बचाओ अभियान' केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती माता को बचाने का राष्ट्रीय संकल्प है। इस अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारी, कृषि विभाग की टीमें और जनप्रतिनिधि गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करेंगे। किसानों को मिट्टी परीक्षण, संतुलित पोषण प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, आधुनिक बुवाई तकनीक, जल संरक्षण और उन्नत खेती के तरीके सिखाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हर किसान का सॉयल हेल्थ कार्ड बनना जरूरी है, ताकि किसान अपनी जमीन की जरूरत समझकर खाद का उपयोग करे। इससे खेती की लागत कम होगी, उत्पादन बढ़ेगा और मिट्टी लंबे समय तक उपजाऊ बनी रहेगी। श्री चौहान ने स्पष्ट कहा कि सरकार किसानों को रियायती दरों पर उर्वरक उपलब्ध करा रही है, लेकिन इसका मतलब जरूरत से ज्यादा उपयोग नहीं है। सही मात्रा में खाद का उपयोग ही टिकाऊ खेती की कुंजी है।

श्री चौहान ने कहा कि खेती को लाभकारी बनाना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि सोयाबीन, धान और दलहन फसलों के लिए क्षेत्र में विशेष प्रदर्शन किए जाएंगे। किसानों को उन्नत बीज, वैज्ञानिक बुवाई, लेजर लेवलर जैसी आधुनिक तकनीक और पानी बचाने वाली खेती के तरीके सिखाए जाएंगे। कृषि विज्ञान केंद्रों और विशेषज्ञ संस्थानों की मदद से नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने महिला सशक्तिकरण को भी अभियान से जोड़ा। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार, आयवर्धन और स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। पात्र महिलाओं को समूहों से जोड़कर उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और छोटे व्यवसाय शुरू करने के अवसर दिए जाएंगे, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और परिवार की आय बढ़ा सकें।

युवाओं को लेकर भी श्री चौहान ने विशेष बात कही और कहा कि उनके लिए मार्गदर्शन और तैयारी के अवसर बढ़ाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास केवल सड़क, मकान और बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव में रोजगार, आय और आत्मनिर्भरता के अवसर पैदा करना भी उतना ही जरूरी है।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रमासिया गांव से शुरू हुआ यह अभियान आगे चलकर जनभागीदारी का बड़ा आंदोलन बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से गांवों में पहुंचें, किसानों को तकनीकी सहायता दें और खेती को बचाने के इस संकल्प को जमीन पर उतारें। उन्होंने किसानों, महिलाओं और युवाओं से अपील की कि वे विकास अभियानों में सक्रिय भागीदारी करें, क्योंकि सरकार और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही समृद्ध गांव, सशक्त किसान, आत्मनिर्भर महिलाएं और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव है।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी बहुत विज़नरी हैं, बहुत पहले बहुत दूर का सोचते हैं। ये धरती माता केवल हमारे लिए नहीं आने वाली पीढ़ियों के लिए भी है। तो इसकी हालत ऐसी ना हो जाए कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अन्न उत्पादित करने से इंकार कर दे, इसलिए माटी बची रहे, इसलिए संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, धरती के तत्वों की आवश्यकता देखते हुए करने की बात करेंगे। केवल इतना ही नहीं, नकली पेस्टीसाइड और खाद उसके खिलाफ भी अभियान चलेगा।

सहकारिता समाज के सामूहिक उत्थान का बड़ा माध्यम : मुख्यमंत्री

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सहकारिता क्षेत्र प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हमारी सरकार इसे और अधिक सशक्त बनाकर किसानों, ग्रामीणों तथा छोटे उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनायेगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता एक व्यवस्था ही नहीं, यह समाज के सामूहिक उत्थान का प्राचीन और बड़ा माध्यम है। हम इसे आधुनिक तकनीक, पारदर्शिता और जनभागीदारी के साथ जोड़कर नई ऊंचाइयों तक ले जायेंगे। उन्होंने कहा कि हम सहकारी मॉडल का समयबद्ध, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहे हैं, जिससे आमजन को इसका वास्तविक और अधिकतम लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली को सरल और प्रभावी बनाया जाएगा, जिससे किसानों को ऋण, बीज, उर्वरक और विपणन जैसी सुविधाएं सहजता से उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सहकारिता क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। नई योजनाओं के जरिए युवाओं और किसानों को जोड़कर सहकारिता को जनआंदोलन का रूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की सहकारी संस्थाओं की दैनंदिन कार्यप्रणाली को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़कर इन्हें अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा रहा है। सहकारी समितियों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने के साथ ही इनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सहकारी संस्थाओं का विस्तार किया जा रहा है। विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से नवाचार, पारदर्शिता और जनहित को प्राथमिकता दी जा रही है। हमारी सरकार सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। सहकारिता विभाग के सहयोग से हम किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जनजातीय अंचलों के विकास सहित ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं को भी गति दे रहे हैं।

सहकारिता की बेहतरी के लिए केंद्र सरकार से लगातार कर रहे समन्वय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सहकारिता को नई दिशा देने के लिए हमारी सरकार केंद्र सरकार से लगातार समन्वय कर रही है। हमने प्रदेश के 4 हज़ार 536 से अधिक पैक्स का सफलतापूर्वक कंप्यूटराइजेशन पूरा करा लिया है। इन सभी पैक्स की जानकारी केन्द्र सरकार की अपेक्षानुसार एनसीडी पोर्टल पर अद्यतन भी कर दी गई है। दूध (श्वेत) क्रांति 2.0 को प्रभावी एवं सफल बनाने तथा वित्तीय समावेशन के लिए दुग्ध समितियों एवं सदस्यों के खाते जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों में खोले गये हैं। अन्य संस्थाओं को भी सहकारी बैंकों में लेन-देन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीसीएसएसएल) तथा मप्र राज्य सहकारी बीज संघ के मध्य एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है। इससे करीब 17 करोड़ रुपए का व्यवसाय हुआ और 844 पैक्स द्वारा सदस्यता प्राप्त कर ली गई है। राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लिमिटेड (एनसीओएल) तथा मप्र राज्य सहकारी विपणन संघ के मध्य भी समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

प्रकृति मित्र बनकर धरती माता ....

उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग प्रदेश में दुग्ध क्रांति के जरिए एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने की ओर बढ़ रहा है। हमारी सरकार ने सहकारिता को समृद्धि का द्वार माना है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हम मध्यप्रदेश को सहकारिता के क्षेत्र में नये शिखर पर लेकर जायेंगे। उन्होंने सभी से अपील की कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में हम सब कम से कम एक पौधा लगायें और उन्हें पेड़ बनने तक जीवित रखने के लिए भी जुट जायें।

अपेक्स बैंक के अध्यक्ष (प्रशासक) श्री महेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान 2.0 के तहत अपेक्स बैंक ने प्रदेश की 4 हजार 500 से अधिक सहकारी समितियों और 38 जिला बैंकों ने मिलकर एक लाख पौधे एक ही दिन में लगाने का लक्ष्य रखा है। कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा देश-प्रदेश में 'आम महोत्सव' मनाया जा रहा है। पौधरोपण कार्यक्रम के अंत में नाबार्ड बैंक के मध्यप्रदेश रीजन की चीफ जनरल मैनेजर (सीजीएम) सुश्री सी. सरस्वती ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विश्व पर्यावरण दिवस की स्मृति स्वरूप 'आम की टोकरी' भेंट कर अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव सहकारिता श्री डी.पी.आहूजा, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक श्री मनोज पुष्प, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता के साथ सहकारिता विभाग एवं विभिन्न शीर्ष सहकारी संस्थाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, धार (म0प्र0)
स्थिति विवरण पत्रक वर्ष 2025—2026

देनदारी पक्ष

गत वर्ष का बकाया	क्र0	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
		अंशपूजी	
182088720.00	1	अंशपूजी शासन से	182088720.00
302545.00	2	अंशपूजी आय सी डी पी से	52545.00
743442800.00	3	अंशपूजी सहकारी समिति से	800667800.00
59792.00	4	अंशपूजी नाम नात्र सदस्य से	62592.00
925893857.00		**योग**	**982871657.00**
		कोष एवं अन्य निधिया	
117575026.47	1	रक्षित कोष सहकारी संस्था	121682584.47
90757644.00	2	कृषि साख स्थायित्व निधि कोष	95726214.00
53889535.20	3	ऋण असंतुलन कोष	54576600.89
50012135.70	4	भवन कोष	50012135.70
21116271.40	5	कम्प्युटर कोष	21116271.40
37491951.00	6	अंश विमोचन निधि	40777997.00
5286328.60	7	प्रशिक्षण निधि	5483490.60
15303835.00	8	सहकारी विकास निधि	15961044.00
8193.63	9	सहकारी भण्डार रख रखाव निधि कोष	8193.63
8200000.00	10	फर्नीचर फिक्चर निधि	8200000.00
865000.00	11	चेरिटी कोष	865000.00
5501284.28	12	साज सज्जा कोष	5501284.28
11098025.47	13	वाहन कोष	11098025.47
28305.00	14	लाभांश पूर्ति कोष	376199.50
6286454.02	15	कर्मचारी सामान्य निधि	6782910.02
111204.00	16	जोखिम कोष शासन से	111204.00
9785145.00	17	वैद्यनाथन पुर्नपुंजीकरण सहायता राशि	9785145.00
47614947.43	18	सम्पति पूनर्मुल्यांकन कोष	47614947.43
3000000.00	19	एक्सग्रेसिया कर्मचारी प्रावधान	0.00
3369579.00	20	नाबार्ड से प्राप्त अनुदान	3298689.00
23057502.22	21	संचित लाभ	23057502.22
510358367.42		**योग**	**522035438.61**
		अनिवार्य प्रावधान	
707722220.00	1	संदिग्ध एवं डुबन्त ऋण कोष एनपीए के विरुद्ध	707722220.00
125000000.00	2	संदिग्ध एवं डुबन्त ऋण कोष आयकर धारा 36(1)(अपपं)	664452180.49
28827000.00	3	मानक अस्तियों हेतु प्रावधान	28827000.00
58286223.00	4	संस्पेंस राशि हेतु प्रावधान	58286223.00
23109000.00	5	अन्य अस्तियो हेतु प्रावधान	23109000.00
61951777.00	6	गबन के विरुद्ध प्रावधान	61951777.00
0.00	7	विनियोग अवमूल्यन कोष	0.00

लेनदारी पक्ष

गत वर्ष का बकाया	क्र0	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
		रोकड	
891519351.00	1	नगदी सिल्लक बैंक शाखा	1941167165.00
		करण्ट खाता राज्य सहकारी बैंक	
160630906.00	1	करण्ट खाता अपेक्स बैंक इन्दौर	262630847.00
0.00	2	अधिविकर्ष खाता अपेक्स बैंक इन्दौर	53377255.25
170870.68	3	करण्ट खाता अपेक्स बैंक शाखा भोपाल	170870.68
29300027.31	4	करण्ट खाता अपेक्स बैंक भोपाल	1972394.56
190101803.99		**योग**	**318151367.49**
		करण्ट खाता वाणिज्यिक बैंक	
135778032.56	1	करण्ट खाता भारतीय स्टेट बैंक	33536511.49
610598.57	2	करण्ट खाता भारतीय स्टेट बैंक शाखा रधुनाथपुरा	4719436.57
5967877.61	3	करण्ट खाता अन्य बैंक (स्टेट बैंक में शाखाओं के खाते)	15173326.91
22855829.84	4	करण्ट खाता भारतीय स्टेट बैंक सीएसजीएल	1286602.24
117336826.29	5	करण्ट खाता बैंक ऑफ इंडिया	125823961.29
82005455.78	6	करण्ट खाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र	126356772.78
99782.00	7	करण्ट खाता बैंक आफ बडौदा	0.00
108005587.28	8	करण्ट खाता सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया	194356198.30
177257398.15	9	करण्ट खाता पंजाब नेशनल बैंक	66282652.37
200324237.73	10	करण्ट खाता आईडीबीआई बैंक	297217537.79
11728533.94	11	करण्ट खाता आईडीबीआई बैंक सीटीएस क्लेयरिंग हेतु	474050.98
300000.00	12	करण्ट खाता आईडीबीआई जेम पुल खाता	472000.00
862270159.75		**योग**	**865699050.72**
		प्रायवेट बैंक	
35377672.16	1	करण्ट खाता एक्सिस बैंक	193016156.83
593368989.39	2	करण्ट खाता आईसीआईसीआई बैंक	64437225.35
25892521.93	3	करण्ट खाता आईसीआईसीआई बैंक आयएमपीएस हेतु	69865279.13
26095323.78	4	करण्ट खाता आईसीआईसीआई बैंक एटीएम हेतु	30285557.55
5496.00	5	करण्ट खाता आईसीआईसीआई बैंक फास्ट टैग वॉलेट	3051.00
293472255.22	6	करण्ट खाता एचडीएफ सी बैंक	106953663.32
29074111.71	7	करण्ट खाता यस बैंक सीटीएस क्लेयरिंग हेतु	19647129.50
75300.00	8	क्लेम फार लोरो	0.00
1003361670.19		योग	484208062.68
2055733633.93		**बैंक खाता कुल योग**	**1668058480.89**
		विनियोग	
		सहकारी प्रतिभुति में	
1990148010.00	1	शासकीय प्रतिभुति एवं बाण्ड	2396473010.00
698505100.00	2	ट्रेजरी बिल प्रतिभूति	0.00

गत वर्ष का बकाया	क्र0	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
254534860.69	8	कालातीत ब्याज प्रावधान	16214284.20
1259431080.69		**योग**	**1560562684.69**
1769789448.11		**निधियो एवं प्रावधान योग**	**2082598123.30**
		अमानते	
		मुद्दती अमानत	
467862381.60	1	सावधि अमानत सहकारी समितियॉं	478645862.10
4246277651.38	2	सावधि अमानत व्यक्तिगत	4886712685.91
1199435158.78	3	सावधि अमानत अन्य संस्थाऐ	1352653765.54
8651241.99	4	आवर्तक अमानत व्यक्तिगत	8166918.17
5922226433.75		**योग**	**6726179231.72**
		बचत अमानत	
543912634.55	1	बचत अमानत सहकारी संस्था	591694534.65
2647341950.81	2	बचत अमानत व्यक्तिगत	2557501305.14
473771892.46	3	बचत अमानत अन्य संस्थाऐ	451125942.45
3665026477.82		**योग**	**3600321782.24**
		करण्ट अमानत	
16963183.17	1	करण्ट अमानत सहकारी समिति	20517854.39
9256922.33	2	करण्ट अमानत केश क्रेडिट समिति	23537035.17
16444151.84	3	करण्ट अमानत व्यक्तिगत	9553419.56
27162261.66	4	करण्ट अमानत अन्य संस्था	27308549.56
69826519.00		**योग**	**80916858.68**
		अन्य अमानत	
63932723.87	1	रक्षित कोष सहकारी संस्थाए	66957035.87
47794699.09	2	विशेष डुबन्त ऋण पूर्ति कोष	53489915.09
7376544.77	3	अनिवार्य अमानत सहकारी समितिया	8719240.77
14829417.06	4	रिस्क फण्ड (जोखिम कोष)	17030428.06
1429002.85	5	अनिवार्य अमानत व्यक्तिगत	1520694.00
779322.07	6	सुरक्षा डिपाजिट कर्मचारी	856275.33
136141709.71		**योग**	**148573589.12**
9793221140.28		**योग अमानत**	**10555991461.76**
		ग्रहित ऋण	
6431400000.00	1	अल्पावधि ऋण नार्मल	5720000000.00
316300000.00	2	अल्पावधि ऋण ट्रायबल	230000000.00
1359000000.00	3	अल्पावधि ऋण एनओडीपी	2026100000.00
-150830.21	4	केश क्रेडिट फर्टिलाईजर	0.00
557000.00	5	मध्यम अवधि ऋण डेयरी फायनेंस	0.00
153416669.52	6	अधिविकर्ष ऋण अपैक्स बैंक	0.00
250000.00	7	आईसीडीपी से भवन निर्माण ऋण	0.00
367300000.00	8	नाबार्ड से मुद्दती अमानत के विरुद्ध तारण ऋण	0.00
536600.00	9	मध्यम अवधि ऋण एग्रीकल्चर	546800.00
0.00	10	अधिविकर्ष ऋण नेफट	0.00
8628609439.31		**योग ग्रहित ऋण**	**7976646800.00**
255078.05	**1**	**मुख्यालय खाता**	**276066.05**
255078.05		**योग**	**276066.05**

गत वर्ष का बकाया	क्र0	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
400000000.00	3	कॉल मनी	0.00
3088653110.00		**योग**	**2396473010.00**
		सावधी जमा राज्य सहकारी एवं वाणिज्यिक बैंक में	
2818294028.00	1	सावधि अमानत विथ अपेक्स बैंक	3370577306.00
46690732.00	2	रिजर्व फण्ड डिपाजिट विथ अपेक्स बेंक	49842356.00
10468993.00	3	सावधि अमानत बैंक ऑफ इंडिया/महाराष्ट्र	0.00
8754535.00	4	सावधि अमानत विथ नोटी फाइड बैंक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया	10521273.00
150193932.00	5	सावधि अमानत विथ आयडीबीआय बैंक	450691399.00
3034402220.00		**योग**	**3881632334.00**
		सावधी जमा प्रायवेट बैंक में	
500246576.00	1	सावधि अमानत विथ आय सी आय सी आय बैंक	0.00
175215754.00	2	सावधि अमानत अन्य प्रायवेट बैंक	369115156.00
675462330.00		**योग**	**369115156.00**
		अंश में	
447200000.00	1	अंश क्रय अपेक्स बैंक	468200000.00
0.00	2	अंश अन्य सहकारी संस्थाए	0.00
447200000.00		**योग**	**468200000.00**
7245717660.00		**कुल योग विनियोग**	**7115420500.00**
		समाशोधन गृह एवं शाखा	
0.00	1	समाशोधन गृह समायोजन खाता	0.00
0.00	2	शाखा/मुख्यालय खाता	0.00
0.00		**योग**	**0.00**
		ऋण	
		अल्पवधि कृषि ऋण	
16455386.29	1	क्रेडिट कार्ड सामान्य 1	15882813.29
9369584.52	2	क्रेडिट कार्ड सामान्य 2	8244127.52
66051232.34	3	क्रेडिट कार्ड अल्पावधि ट्रायबल 1	65513744.34
1.00	4	क्रेडिट कार्ड अल्पावधि ट्रायबल 2	1.00
18210964.54	5	ऋण अल्पावधि तिलहन क्रेडिट कार्ड 1	17415528.54
25609730.04	6	ऋण अल्पावधि तिलहन क्रेडिट कार्ड 2	25609730.04
31117865.37	7	ऋण अल्पावधि क्रेडिट कार्ड ट्रायबल तिलहन 1	31117865.37
6.00	8	ऋण अल्पावधि क्रेडिट कार्ड ट्रायबल तिलहन 2	6.00
8058184396.47	9	अल्पावधि ऋण डी एम आर सामान्य	8224210722.80
1784339939.18	10	अल्पावधि ऋण डी एम आर तिलहन	1392226580.42
474121643.02	11	अल्पावधि ऋण डी एम आर आदिवासी	769091580.70
10483460748.77		**योग**	**10549312700.02**
		अल्पवधि अन्य कृषि ऋण	
8804078.16	1	अल्पावधि ऋण फिशरमैन क्रेडिट कार्ड	9036770.58
14150978.12	2	अल्पावधि ऋण अतिरिक्त साख सीमा	14403199.32
22955056.28		**योग**	**23439969.90**
		अल्पवधि अकृषि ऋण	
108641.00	1	ऋण अल्पावधि अकृषि	108641.00
209639.00	2	ऋण अल्पावधि खाघान्न गृहणी	209639.00

गत वर्ष का बकाया	क्र0	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
		देनदारियॉ	
2081205.73	1	लायबिलिटीज पेयबल	2124332.73
12389516.76	2	अन्य देनदारियॉ खाता	20702631.78
4905550.00	3	अनुदान अग्रिम समस्त प्रकार	4905550.00
1186451.00	4	ग्रेज्युटी कर्मचारी	102299214.00
0.00	5	उपार्जित अवकाश हेतु प्रावधान	4446950.00
23173418.00	6	चंदा देना बाकी जिला एवं राज्य संघ	29199118.00
3172376.42	7	बिल्स एवं डी.डी. पेयबल	3103260.67
6181437.87	8	ब्याज देना बाकि 3 प्रति. सहकारी संस्था को	0.00
2355015.00	9	प्राविडेण्ड फण्ड की रकम देना बाकि	2021515.00
0.00	10	एलआईसी को रकम देना बाकी	1000.00
702736.96	11	समूह बीमा योजना कर्मचारी	526613.96
550928.00	12	अर्नेस्ट मनी खाता	700928.00
0.00	13	मार्जिन मनी खाता	0.00
1638937.00	14	आडिट फिस देना बाकी	2453022.00
242641362.11	15	देय ब्याज (ब्याज देना बाकी)	272817803.41
339674.00	16	स्टेल चेक्स एवं ड्राफ्ट खाता	339674.00
162522.00	17	क्रिस योजना की रकम देना बाकी	820153.45
500000.00	18	केडर फन्ड सरप्लस खाता	500000.00
0.00	19	म0प्र0 राज्य सहकारी विपणन संघ खाद कलेक्शन खाता	0.00
13382249.69	20	आयकर देना बाकि (टी.डी.एस.)	12224405.03
892497.00	21	बचत बैंक अमानत ग्यांरटी बीमा योजना	916969.00
28.00	22	जी.एस.टी. की रकम	1286927.68
0.00	23	ट्रिकल फीड जमा राशि	0.00
24.00	24	एनआयए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा प्रीमियम देना बाकि	0.00
0.00	25	एल आय सी जमा	206.00
50000.00	26	एनपीसीआई से प्राप्त राशि रिटर्न	0.00
40292.00	27	एसीएच से प्राप्त राशि रिटर्न	0.00
317066.00	28	वेतन से कटौत्रा की गई कर्मचारी संघ को देय राशि	402016.00
0.00	29	वेतन से कटौत्रा की गई कर्मचारी साख समिति को देय राशि	109450.00
0.00	30	वेतन से कटौत्रा की गई कर्मचारी साख समिति ऋण की किश्त की देय राशि	501000.00
252926.50	31	नाबार्ड से वित्तीय साक्षरता की प्राप्त राशि	0.00
78715.64	32	बेच संस्पेंस खाता	117209.00
0.00	33	एटीएम पॉस क्लेयरिंग सस्पेन्स	204132.70
1021700.00	34	सब्सीडी खाता	1021700.00
56412627.08	35	आय एन सी ए	49104213.38
46454.84	36	नेफ्ट आर टी जी एस पार्किंग खाता	79853.37
14945818.74	37	ड्राप्ट खाता कोर ब्रांच	9587460.15
0.00	38	बैकर्स चेक	36582.00
0.00	39	नेफ्ट/आरटीजीएस आउटवर्ड संस्पेन्स खाता	0.00
0.00	40	नेफ्ट/आरटीजीएस इनवर्ड संस्पेन्स खाता	550000.00

गत वर्ष का बकाया	क्र0	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
185136.60	3	ऋण अल्पावधि आभूषण तारण ऋण सामान्य	185136.60
255448.10	4	आभूषण तारण ऋण हरिजन + आदिवासी	255448.10
54042671.00	5	सावधि अमानत तारण ऋण	67983920.31
6620.00	6	एन एस सी तारण ऋण	6620.00
2167176.00	7	वेयर हाउस रसीद पर तारण ऋण	2167176.00
11477.00	8	अग्रिम कर्मचारी	11540.00
56986808.70		**योग**	**70928121.01**
		मध्यवधि कृषि ऋण	
2359002.00	1	मध्यमअवधि 3 वर्षिय परिवर्तित ऋण	4651170.00
831243.00	2	मध्यमअवधि पशुपालन ऋण	4051900.19
0.00	3	मध्यमअवधि आत्मनिर्भर भारत	0.00
10903060.00	4	मध्यमअवधि डेहरी ऋण	20445815.52
1092537.00	5	मध्यमअवधि पॉली हाउस	892537.00
0.00	6	मध्यमअवधि डगवेल ऋण	469118.00
0.00	7	मध्यमअवधि गोट ऋण	230222.00
0.00	8	मध्यमअवधि पाईप लाईन	4063395.00
15185842.00		**योग**	**34804157.71**
		मध्यमवधि अकृषि ऋण	
468936.00	1	मध्यमअवधि अन्त्यव्यवसायी	468936.00
9932376.80	2	मध्यमअवधि व्यावसायिक यातायात ऋण	9932376.80
198020.26	3	मध्यमअवधि वाहन ऋण कर्मचारी	251506.26
0.00	4	मध्यमअवधि वाहन ऋण अन्य	105830.00
48604355.87	4	मध्यमअवधि उपभोक्ता ऋण व्यक्तिगत	49051350.87
12554.00	5	मध्यमअवधि ऋण कम्प्युटर	12554.00
393957.00	6	मध्यमअवधि व्यक्तिगत ओद्योगिक ईकाई	393957.00
24280082.00	7	मध्यमअवधि भोज सोया संयत्र	24280082.00
49150.00	8	मध्यमअवधि ईईसी गोदाम ऋण	49150.00
132444.39	9	मध्यमअवधि परिसमापक ऋण	132444.39
333737.00	10	मध्यमअवधि हायपोथिकेशन ऋण	333737.00
0.00	11	मध्यमअवधि ऋण पी एम मुद्रा योजना	0.00
928927.00	12	मध्यमअवधि मार्टगेज ऋण	928927.00
1642964.00	13	कर्मचारी व्यक्तिगत ऋण	3755168.46
1367466.00	14	व्यक्तिगत ऋण अन्य संस्था कर्मचारी	2492505.00
88344970.32		दीर्घावधि अकृषि ऋण	92188524.78
18871557.56	1	दीर्घावधि आवास ऋण	18871557.56
11898886.00	2	दीर्घावधि आवास ऋण कर्मचारी	10975029.00
2882450.00	3	दीर्घावधि कार लोन कर्मचारी	3146983.00
554008.00	4	दीर्घावधि कार लोन व्यक्तिगत	494716.00
34206901.56		**योग**	**33488285.56**
		दीर्घावधि कृषि ऋण	
1801405.00	1	एल टी ट्रेक्टर ऋण	4278066.00
0.00	2	एल टी डेहरी ऋण	6781279.00
1801405.00		**योग**	**11059345.00**
		केश क्रेड़िट लिमिट	

गत वर्ष का बकाया	क्र0	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
43896.07	41	बेलेन्सिग खाता	1313819.00
28733807.61	43	जमाशिक्षा जागरुकता फण्ड की रकम देना बाकी	0.00
32958.00	44	वृत्तिकर की राशि	0.00
2220.00	45	अंश की रकम देना बाकी	250.00
31461001.91	46	सिस्टम संस्पेंस	134945221.36
0.00	47	एन आय ए की राशि	30132.00
0.00	48	जी एस टी आरसीएम पेयबल	0.00
0.00	49	सी जीएसटी पेयबल	0.57
0.00	50	एस जीएसटी पेयबल	0.57
0.00	51	बैंकर्स समाशोधन गृह	541990.00
0.00	52	पौष रिफण्ड की राशि	594.50
449695413.93		योग	659935899.31
16430233.69		**वर्ष का शुद्ध लाभ**	**25094375.13**
21583894610.37		**कुल योग**	**22283414382.55**

ऑफ बेलेन्स शीट आयटम

गत वर्ष का बकाया	क्र0	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
28733807.61	2	ग्राहको को जमा शिक्षा जागरुता राशि देना बाकी	**61022773.35**

हस्ता/–
विकास लाड
प्रभारी प्रबंधक लेखा

हस्ता/–
सुश्री सानिया लाड
प्रबंधक लेखा

हस्ता/–
सुश्री वर्षा श्रीवास
उपायुक्त एवं प्रशासक

हस्ता/–
के.के.रायकवार
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

जिला सहकारी केन्द्रीय बैक मर्यादित, धार (म0प्र0)

लाभ–हानि पत्रक वर्ष 2025–2026

आय पक्ष

गत वर्ष 31.03.2025 की स्थिति पर प्राप्तियॉ	क्र0	विवरण	31.03.2026 की स्थिति पर प्राप्तियॉ
1	2	3	4
		आय	
		ब्याज से आय	
1331451466.12	1	ब्याज प्राप्त ऋण पर	1512331388.53
75112961.00	2	ब्याज प्राप्त विनियोग पर	76482835.28
147567549.56	3	ब्याज प्राप्त सहकारी प्रतिभुति पर	155575581.46
6703422.00	4	ब्याज प्राप्त ट्रेजरी बिल से	7740378.00
627034.00	5	ब्याज प्राप्त काल मनी पर	1759896.00
372284.00	6	ब्याज प्राप्त आयकर विभाग से	0.00
562132392.41	7	ब्याज प्राप्त मुख्यालय खाते पर	776140830.21
2123967109.09		**योग**	**2530030909.48**
		कमीशन से आय	

गत वर्ष का बकाया	क्र0	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
32697693.58	1	केश क्रेड़िट फर्टिलाईजर रासायनिक खाद	34548837.94
0.00	2	क्लिन केश उपभोक्ता भण्ड़ार	0.00
0.00	3	क्लिन केश समर्थन मूल्य	0.00
236.00	4	क्लिन केश समर्थन मूल्य मार्केटिग	236.02
34891.00	5	क्लिन केश क्रेड़िट बुनकर संस्था	34891.00
7108205.13	6	क्लिन केश क्रेड़िट धार थोक उपभोक्ता भण्ड़ार	7108205.13
1247276.40	7	क्लिन केश क्रेड़िट आघौगिक ईकाई	1247276.40
17102089.00	8	क्लिन केश क्रेड़िट व्यक्तिगत लिमिट	17102089.00
6563600.21	9	क्लिन केश क्रेड़िट मार्केटिग लिमिट	6563600.21
5823090.58	10	क्लिन केश क्रेड़िट विपणन संस्था	5576200.58
127119243.54	12	अधिविकर्ष ऋण मुद्धती अमानत	160819763.57
31361974.60	13	अधिविकर्ष ऋण कर्मचारी	27732166.98
1100231.00	14	अधिविकर्ष ऋण अन्य संस्था कर्मचारी	3356096.56
0.00	15	अधिविकर्ष ऋण एनएससी पर	615783.10
230158531.04		**योग**	**264705146.49**
10933100263.67		**योग समस्त ऋण**	**11079926250.47**
		ब्याज राशि लेना बाकी	
8129322.14	1	ब्याज लेना बाकी केन्द्र शासन से	8129322.14
13942180.52	2	ब्याज लेना बाकी राज्य शासन से	13942180.52
16715981.15	1	ब्याज लेना बाकी सहकारी संस्थाओ से	26287502.26
33064356.77	2	शासकीय प्रतिभूति पर ब्याज की रकम लेना बाकी	37362131.38
71851840.58		**योग**	**85721136.30**
		स्थायी सम्पति	
3361610.00	1	जीप कार वाहन खाता	3871843.00
54874111.00	2	बैंक भूमि	54874111.00
24962939.00	3	बैंक भवन	23354530.00
14235977.93	4	कम्प्युटर खाता	7752731.62
2143857.07	5	फर्नीचर फिक्चर खाता	2466430.51
21858981.78	6	डेड स्टाक नान पेरिशिएबल खाता	21462982.77
15378823.76	7	डेड स्टाक फर्नीचर फिक्चर खाता तकनीकि	13076895.00
136816300.54		**योग**	**126859523.90**
		लेनदारियॉ	
1001263.62	1	ऋण राहत मूल की रकम केन्द्र शासन से लेना बाकि	1001263.62
36174.48	2	ऋण राहत मूल की रकम राज्य शासन से लेना बाकि	36174.48
60128060.95	3	संस्पेस खाता	60111788.95
5167447.74	4	अन्य लेनदारियाँ	2825489.14
0.00	5	उपार्जित अवकाश की रकम एलआयसी से लेना बाकी	4446950.00
0.00	6	ग्रेज्युटी की रकम एलआयसी से लेना बाकी	101112763.00
0.00	7	केडरफण्ड लेना बाकी (अपेक्स बैंक भोपाल 50 प्रतिशत)	0.00
349226.00	8	जवाहर रोजगार योजना	349226.00
1127571.55	9	स्कंध, प्रपत्र, पंजिया बैंक	1965153.45
1686674.76	10	स्कंध, प्रपत्र, पंजिया सहकारी संस्थाएँ	1917046.69
0.00	11	सक्षमता विकास की रकम लेना बाकी	0.00

गत वर्ष 31.03.2025 की स्थिति पर प्राप्तियॉ	क्र0	विवरण	31.03.2026 की स्थिति पर प्राप्तियॉ
1	2	3	4
9991602.20	1	कमीशन अकॉउण्ट	5727966.33
91351.00	2	एल.आय.सी प्रधानमंत्री बीमा कमीशन	95830.00
150066.30	3	एनपीसीआय, एटीएम कमीशन	20397.26
5407.70	4	आयएमपीएस से प्राप्त कमीशन	4242.36
30369.00	5	एन आय ए कमीशन	0.00
842405.72	6	एचसीएस से प्राप्त कमीशन (छ।ब्र)	440741.72
11111201.92		**योग**	**6289177.67**
		लाभांश से आय	
0.00	1	लाभांश प्राप्त कृभको से	0.00
100000.00	2	लाभांश प्राप्त इफको से	
11383009.00	3	लाभांश प्राप्त अपेक्स बैंक से	16277425.00
11483009.00		**योग**	**16277425.00**
		अन्य मद से प्राप्त आय	
5685600.10	1	इन्सीडेटल चार्जेस	4781833.27
192793.83	2	अन्य आय	90610.50
246145.00	3	लॉकर किराया	257098.00
879.00	4	अर्थदण्ड खाता	455.00
2954580.00	5	आयकर रिफण्ड खाता	957346.00
44710.00	6	खाता बन्द शुल्क	45520.00
417865.00	7	चेक बुक शुल्क	476100.00
3650.00	8	स्टाप पेमेन्ट शुल्क	4350.00
162600.00	9	विविध शुल्क से आय	228950.00
5756865.00	10	एस एम एस शुल्क राशि	6269975.00
646320.00	11	ए टी एम कार्ड फीस	719386.00
100.00	12	प्रशासनिक शुल्क	235.00
131190.00	13	ऋण प्रोसेसिग फीस	106430.00
16243297.93		**योग**	**13938288.77**
2162804617.94		**कुल आय योग**	**2566535800.92**

गत वर्ष का बकाया	क्र0	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
1	2	3	4
3654251.00	12	शासकीय प्रतिभूति पर भुगतान की प्रीमियम राशि का विभक्तिकरण	11329854.00
58627132.00	13	अन्य लेनदारीया गबन की राशि	58627132.00
3335522.00	14	एलपीजी सब्सीडी	0.00
16619833.74	15	यु आय डी जमा	0.00
28733807.61	16	शिक्षा जागृति की रकम	0.00
0.00	17	बेलेन्सिग खाता	0.00
298041.87	18	जेआरवाय योजनान्तर्गत खाधान्न राशि	298041.87
1069711.19	19	ट्रिकल फीड में नामें राशि	75159.49
2832502.87	20	सेन्ट्रल जीएसटी	5054663.81
2532270.29	21	राज्य जीएसटी	4395459.23
5185256.92	22	आय जीएसटी	5700801.62
1732164.11	23	एटीएम शुल्क आय सी आय सी आय से लेना बाकी	0.00
32830604.25	24	आय एम पी एस से लेना बाकी	2581585.00
18725497.72	25	नेफ्ट सस्पेन्स खाता	3062773.64
2790800.00	26	एटीएम क्लेरिंग संस्पेन्स	1370000.00
-8118.56	27	पॉस रिफन्ड एन पी सी आय	0.00
15825.00	28	एच सी एच डेबिट	0.00
0.00	29	बैंकर्स समाशोधन गृह	0.00
80000.00	30	अग्रिम आयकर की रकम लेना बाकी	0.00
604039.54	31	एटीएम पॉस क्लेरिंग संस्पेंस	0.00
249155560.65		**योग**	**266261325.99**
21583894610.37		**कुल योग**	**22283414382.55**

ऑफ बेलेन्स शीट आयटम

गत वर्ष का बकाया	क्र0	विवरण	वर्षान्त पर बकाया
28733807.61	1	रिर्जव बैंक से जमा शिक्षा जागरुता राशि लेना बाकी	61053048.35

हस्ता/–
विकास लाड
प्रभारी प्रबंधक लेखा

हस्ता/–
सुश्री सानिया लाड
प्रबंधक लेखा

हस्ता/–
सुश्री वर्षा श्रीवास
उपायुक्त एवं प्रशासक

हस्ता/–
के.के.रायकवार
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

जिला सहकारी केन्द्रीय बैक मर्यादित, धार (म0प्र0)

लाभ–हानि पत्रक वर्ष 2025–2026

व्यय पक्ष

गत वर्ष 31.03.2025 की स्थिति पर व्यय	क्र0	विवरण	31.03.2026 की स्थिति पर व्यय
1	2	3	4
		ब्याज व्यय	
2616650.00	1	ब्याज दिया कृषि साख स्थायित्व निधि	2504035.00
0.00	2	ब्याज दिया कर्मचारी कल्याण निधि	440256.00
557795604.00	3	ब्याज दिया उधार ऋण	547273465.00

हस्ता/–
विकास लाड
प्रभारी प्रबंधक लेखा

हस्ता/–
सुश्री सानिया लाड
प्रबंधक लेखा

हस्ता/–
सुश्री वर्षा श्रीवास
उपायुक्त एवं प्रशासक

हस्ता/–
के.के.रायकवार
मुख्य कार्यपालन अधिकारी

B. Shroff & Co.
CHARTERED ACCOUNTANTS

--- : : अंकेक्षण प्रमाण - पत्र : : --

मैं निम्न हस्ताक्षरकर्ता अंकेक्षण अधिकारी प्रमाणित करता हूँ कि हमारी फर्म बी श्राफ एण्ड कम्पनी एफआरएन–006514W ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, धार जिसका पंजीयन क्र. 17 दिंनाक 16–03–1926 है तथा जो जिला धार में है, का अंकेक्षण भारतीय रिजर्व बैंक एवं मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम के द्वारा प्रस्तावित विधि से पूर्ण किया है।

मेरे द्वारा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित धार 31 मार्च 2026 तक का स्थिति विवरण पत्रक, लाभ हानि पत्रक जो उक्त दिनांक से समाप्त होने वाले लेखों से सम्बन्धित है कि प्रधान कार्यालय तथा शाखाओं द्वारा भेजे गए प्रमाणित लेखों के आधार पर जाँच की गई जो कि इन पत्रको में सम्मिलित किये गए है अतः मेरे मत से अंकेक्षण टीप में उल्लेखित आक्षेपों, लेखांकन नीतियों एवं परिवर्तन का ज्ञापन (MOC) को छोडकर :–

1. बैंक का व्यवसाय आम तौर से विधिवत उपनियमों एवं नियमों के अंतर्गत तथा पंजीयक, सहकारी समितियां, भोपाल के प्रशासनिक निर्देशों के एवं बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट की आवश्यकतायों के अनुरूप किया गया है।
2. बैंक का स्थिति विवरण पत्रक स्पष्ट है। आवश्यक सभी जानकारी जो कि बैंक के व्यवहार एवं स्थिति को दर्शाते है उनका समावेश उनमें है मुझे जो जानकारी बैंक की स्थिति के सम्बन्ध में बताई गई तथा जो खातों में दशायी गई है उनका समावेश इन पत्रकों में है आपातियाँ ऑडिट नोट में बताई गई है।
3. आवश्यकतानुसार समस्त जानकारी मेरे संतोष होने तक बैंक द्वारा मुझे उपलब्ध कराई गई है।
4. बैंक का समस्त व्यवहार व्यवसाय निर्धारित कार्य सीमा के अंतर्गत किया गया है।
5. अंकेक्षण हेतु जो भी प्रपत्र बुलाये गए सभी पूर्ण एवं पर्याप्त है।
6. लाभ–हानि पत्रक लाभों का सही चित्रण करता है।
7. बैंक स्थिति विवरण एवं लाभ हानि पत्रक नियमों के अनुरूप बनाया गया है।
8. मेरे मत से बैंक की समस्त लेखा पुस्तिकाएं आवश्यकता के अनुरूप रखी गई है।

Office : CM- 225, Jr. MIG, Sukhliya, Indore 452010 (M.P.) Tel.: 0731-4055268
Offices at - Burhanpur, Biaora, Dewas, Guna, Jabalpur, Ujjain, Gondia, Nagpur.

गत वर्ष 31.03.2025 की स्थिति पर व्यय	क्र0	विवरण	31.03.2026 की स्थिति पर व्यय
1	2	3	4
597913899.48	4	ब्याज दिया अमानत पर	664862646.59
33291846.58	5	ब्याज अनुदान दिया सहकारी संस्थाओं को	11895908.57
0.00	6	ब्याज दिया क।० खाता	658.00
562132392.41	7	ब्याज दिया एचओ अकॉ0 पर	776140191.21
1753750392.47		**योग**	**2003117160.37**
		वेतन भत्ते व्यय	
128403429.82	1	वेतन उपवेतन एवं भत्ते बैंक कर्मचारी	122576501.50
5762098.00	2	केडर फण्ड वेतन समिति कर्मचारी	5392479.00
223378.00	3	यात्रा भत्ता एवं प्रवास व्यय	256056.00
12742769.00	4	बैंक अंशदान प्राविडेण्ट फण्ड	11585985.00
147131674.82		**योग**	**139811021.50**
		अन्य व्यय	
8862985.18	1	कर किराया बीमा एवं प्रकाश व्यय	7629675.52
697303.60	2	दुरलेख दुरभाष एवं डाक व्यय	115188.78
13839195.24	3	बीमा प्रीमियम व्यय	13767268.35
82720.00	4	वाचनालय एवं पत्र पत्रिकाए	86308.00
2157125.82	5	लेखन सामग्री एवं छपाई व्यय	3116694.88
6803840.48	6	विविध व्यय	2170796.00
231687.90	7	संस्थापन व्यय	303858.00
5878433.69	8	सम्पत्ति पर रख रखाव व्यय	2086640.55
11003022.73	9	छिजन दिया (ह्रास)	15595358.90
87588.00	10	विधि व्यय	783284.00
901706.00	11	डीजल पेट्रोल एवं आईल अकॉ0	1007709.00
300.00	12	पोषाक भृत्य एवं चालकगण	8200.00
756317.44	13	विज्ञापन व्यय	6125516.80
11011778.93	14	कमीशन व्यय(सहकारी समिति एवं अपैक्स बैंक)	2344746.60
312721.24	15	साधारण सभा व्यय	511010.00
142726.78	16	मोबाइल सीम किराया	547134.76
36.75	17	राउण्डअप राशि	68.57
931372.00	18	शासकीय प्रतिभुति पर प्रीमियम भुगतान	997869.00
61775.00	19	आकस्मिक व्यय	34780.00
1817329.50	20	कम्प्युटर व्यय	1070449.00
27491.45	21	बैंक व्यय	460471.61
44495.14	22	एटीएम एवं आय एम पी एस शुल्क	0.00
11858.51	23	एन पी सी आय व्यय	30764.67
5450.00	24	सरसाई फीस	0.00

अतः में बैंक को पंजीयक, सहकारी समितियां मध्यप्रदेश भोपाल के परिपत्र क्र./अंके./98/771 भोपाल दिनाक 28.09.1998 एवं परिपत्र क्र./अंके./4/2002/668 भोपाल दिनाक 24.08.2002 द्वारा प्रसारित निर्देशों में दी गई कसौटी के आधार पर बैंक को "क " वर्ग में वर्गीकृत करता हूँ।

वर्ष 2025–26 के लिए

अंकेक्षण वर्गीकरण "क" की पुष्टि की जाती है।

वास्ते :– बी श्राफ एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
फर्म क्र. – 006514W

सी.ए. रोहन शर्मा
पार्टनर
सदस्यता क्रमांक 429352
UDIN :. 26429352FVRRXA3458
दिनांक :– 15/5/26

गत वर्ष 31.03.2025 की स्थिति पर व्यय	क्र0	विवरण	31.03.2026 की स्थिति पर व्यय
1	2	3	4
5000.00	25	अपेक्स बैंक अंशदान	0.00
0.00	26	अंशदान बचत बैंक	0.00
152960.00	27	प्रशिक्षण व्यय	75780.00
2016.02	28	क्रेडिट स्कोर व्यय	0.00
0.00	29	एनपीसीआय (एटीएम) व्यय	3460086.75
10156991.78	30	एप्लीकेशन सर्विसेस फीस(टीसीएस)	10157428.97
1185920.00	31	प्रोफेशनल फीस	316640.00
11990.00	32	शासकीस प्रतिभुति ट्रेडिग फीस	0.00
0.00	33	सीटीएस क्लेरिंग व्यय	7153.99
0.00	34	केन्द्र शासन जीएसटी दिया	2212606.19
0.00	35	राज्य शासन जीएसटी दिया	2212768.69
0.00	36	आय जीएसटी दिया	2108638.96
77184139.18		**योग**	**79344896.54**
		प्रावधान व्यय	
5351700.00	1	चंदा दिया जिला एवं राज्य संघ	6025700.00
26212000.00	2	संदिग्ध एवं डूबन्त ऋण कोष प्रावधान	0.00
125000000.00	3	संदिग्ध एवं डूबन्त ऋण कोष प्रावधान आयकर धारा 36(1)(अपपं)	301131604.00
1450245.00	4	आडिट फीस प्रावधान	2078085.00
158013945.00		योग	309235389.00
2136080151.47		**कुल व्यय**	**2531508467.41**
26724466.47		**आयकर के पूर्व का लाभ**	**35027333.51**
		टेक्स व्यय	
5500000.00	1	वित्तीय वर्ष में आयकर दिया	9591000.00
4794232.78	2	पूर्व के वर्षो का आयकर दिया 2025–26	341958.38
16430233.69		आयकर के पश्चात लाभ (शुद्ध लाभ)	25094375.13
2162804617.94		**महायोग**	**2566535800.92**

हस्ता/–	हस्ता/–	हस्ता/–	हस्ता/–
विकास लाड	सुश्री सानिया लाड	सुश्री वर्षा श्रीवास	के.के.रायकवार
प्रभारी प्रबंधक लेखा	प्रबंधक लेखा	उपायुक्त एवं प्रशासक	मुख्य कार्यपालन अधिकारी

विश्व पर्यावरण दिवस पर मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ एवं सहकारी प्रशिक्षण केन्द्रों में हुआ पौधरोपण

भोपाल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल तथा इसके सहकारी प्रशिक्षण केन्द्रों में व्यापक स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, हरित वातावरण को प्रोत्साहित करना तथा वृक्षारोपण के महत्व को जन-जन तक पहुँचाना रहा।

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के मुख्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर संघ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ सीड संस्थान के कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा अधिकाधिक पौधे लगाने एवं उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

इसी क्रम में सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर में भी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम श्री बी.एल. मकवाना, संयुक्त आयुक्त, सहकारिता के मुख्य आतिथ्य तथा श्री मनोज जायसवाल, उपायुक्त, सहकारिता एवं श्री आलोक जैन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, आईपीसी बैंक, इंदौर के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण केन्द्र के प्राचार्य श्री दिलीप मरमट सहित समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा सभी से अधिकाधिक वृक्ष लगाने का आग्रह किया।

सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, जबलपुर में भी विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र के प्राचार्य श्री विजय बर्वे के नेतृत्व में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने परिसर में पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। उपस्थितजनों ने स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। सभी कार्यक्रमों में यह संदेश दिया गया कि वृक्ष मानव जीवन के आधार हैं तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रमों का समापन पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

एफपीओ के सुदृढ़ीकरण एवं व्यवसाय विकास हेतु मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा "रिव्यू कम ट्रेनिंग" कार्यक्रम आयोजित

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल , क्लस्टर बेस्ड बिजनेस ऑर्गनाइजेशन (CBBO) के द्वारा कृषक उत्पादक सहकारी संगठनों (FPOs) के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (CEO) एवं लेखापालों के लिए एक दिवसीय "रिव्यू कम ट्रेनिंग" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य एफपीओ के प्रशासनिक, वित्तीय एवं व्यावसायिक कार्यों की समीक्षा करते हुए उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि करना तथा उन्हें व्यवसायिक रूप से अधिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना था।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल के प्राचार्य श्री गणेश प्रसाद मांझी, लेखा अधिकारी श्रीमती रेखा पिप्पल, कंप्यूटर प्रशिक्षक श्रीमती मीनाक्षी बान तथा सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र के पूर्व प्राचार्य श्री अरुण कुमार जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने एफपीओ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं कृषक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को संगठनात्मक विकास एवं व्यवसाय विस्तार की दिशा में सतत प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एफपीओ संचालन एवं प्रबंधन, लेखांकन एवं वित्तीय प्रबंधन, शासन की विभिन्न योजनाएँ, व्यवसाय विकास, सदस्यता विस्तार अभियान, किसान उत्पादक संगठनों के ग्रेडिंग पैरामीटर, विपणन एवं वैल्यू एडिशन गतिविधियाँ तथा संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर सराहनीय कार्य करने वाले एफपीओ को प्रोत्साहित करने हेतु सम्मानित भी किया गया। सांची कृषक उत्पादक संगठन, जिला रायसेन को ओवरऑल परफॉर्मेंस के लिए तथा वराहमिहिर कृषक उत्पादक संगठन, कायथा, जिला उज्जैन को सदस्यता विस्तार अभियान में उल्लेखनीय कार्य के लिए विशेषज्ञों द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. योगेश नामदेव (आईटी एक्सपर्ट), श्री सुभाष नंद तिवारी (मार्केटिंग एवं वैल्यू एडिशन एक्सपर्ट), श्री रॉबिन सक्सेना (लीगल एवं अकाउंट एक्सपर्ट) तथा श्री संतोष कुमार येडे (सोशल मोबिलाइजेशन एक्सपर्ट) द्वारा सभी किसान उत्पादक संगठनों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान प्रत्येक एफपीओ की प्रगति, उपलब्धियों, चुनौतियों एवं संभावनाओं का विश्लेषण करते हुए सदस्यता विस्तार, व्यवसायिक गतिविधियों में वृद्धि, पूंजी सुदृढ़ीकरण, वैधानिक अनुपालना, ग्रेडिंग सुधार एवं कृषक हितैषी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

विशेषज्ञों ने एफपीओ प्रतिनिधियों को लक्ष्य आधारित कार्ययोजना तैयार करने, अधिकाधिक कृषकों को संगठन से जोड़ने, व्यवसायिक गतिविधियों का विस्तार करने, डिजिटल प्रबंधन को अपनाने तथा शासन एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा संचालित योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा एफपीओ के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी
डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।